

e-किसलय

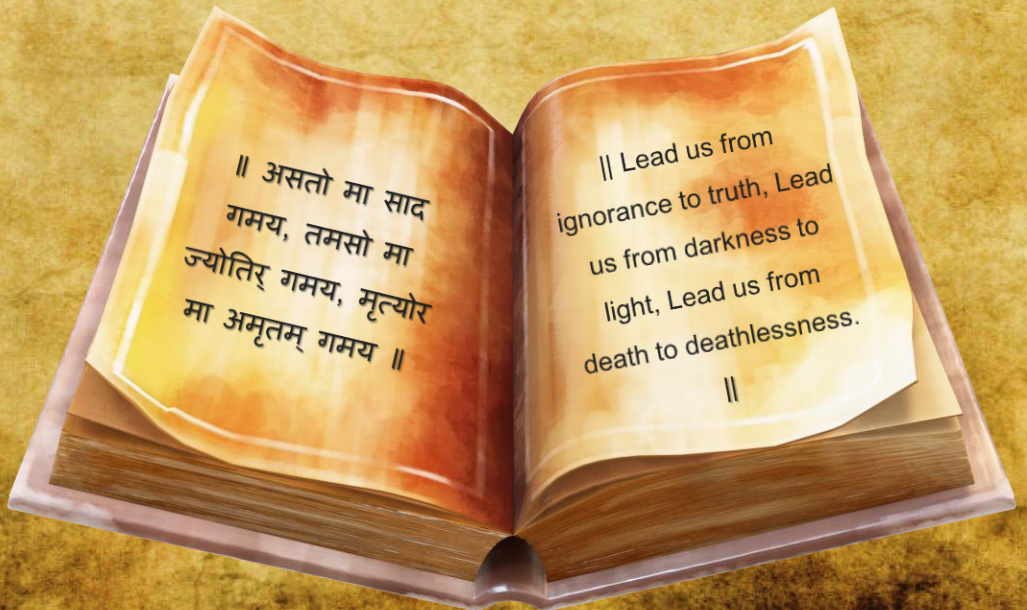
April 2022



C.T.E

Govt. College of Teacher Education

Samastipur



ACKNOWLEDGEMENT

After a quick break, we are finally on the verge of publishing our very 4th consecutive monthly magazine of this year. For this mild month of April, “e-kislay” is here to revamp this month’s journey with very dynamic and vibrant contents. We as a team owe our gratitude to our honorable principal sir, **Tej Narayan Prasad** for his relentless support and motivation. We’re thankful to him for providing us a flexible stage, where we trainees are able to explore and live our experience on a common platform in very different ways. Publishing it on time might not be possible without the help of our mentors, **Dr. Shazia Fatma, Dr. Ravindra Kumar, Dr. Anjali kumari, Dr. Pawan kumar Singh Mr. Brij Bhushan Upadhyay, Kumari Pallavi** and all non-teaching staffs. We’re really grateful for their exemplary guidance and constant support throughout the process of its making. We sincerely acknowledge the true dedication of our group members and all CTEians whose contribution is indelible. But the whole and sole success of this magazine depends on our enthusiastic reader. They are the key role player who keep their expectation high which ultimately helps us to raise our threshold. Therefore, we are very optimistic that this will be a wonderful read to you all and will be waiting for your genuine feedback.

Group — “ B ”

Editorial Team

Patron:

Dr. Binodanand Jha, Director, Research & Training , Deptt. Of Education, Bihar

Editor in Chief :

Tej Narayan Prasad, Principal, CTE, Samastipur

Managing Editors :

Dr. Shazia Fatma , Sr.Lecturer, CTE, Samastipur

Dr. Anjali kumari Lecturer, CTE, Samastipur

Dr. Ravindra Kumar, Lecturer , CTE, Samastipur

Dr. PawanKumar Singh, Lecturer, CTE, Samastipur

Brij Bhushan Upadhyay, Lecturer, CTE, Samastipur

Kumari Pallavi, Lecturer , CTE, Samastipur

Magazine Framer Team :

Komal Singh, Roll N0-36

Jyoti kumari, Roll no. - 31

Sakshi kumari, Roll no. — 79

Kritika Choudhry, Roll no — 64

Anish kumar, Roll no. — 99

Soni Kumari, Roll no. — 94

Priyanka Kumari , Roll no — 43

Ratnesh Kumar, Roll no --- 76

Uday Kumar, Roll no.-- 38

Chandan kr. Aman, Roll no -- 87

Surbir pashwan, Roll no— 03

Pooja Kumari , Roll no --- 48

Graphic designer:

Komal Singh,

Roll no. — 36

Ankit Ranjan,

Roll no. - 19

प्राचार्य की कलम से



प्रिय शिक्षक साथी और हमारे प्रशिक्षु,

आशा है कि आप सभी ने इस अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, समस्तीपुर से प्रकाशित मार्च माह -2022 का प्रकाशित "ई-किसलय" पत्रिका का अवलोकन एवं पठन अवश्य किए होंगे हमारे संस्थान से प्रकाशित इस पत्रिका में हमारे प्रशिक्षु छात्र-छात्राएँ अपनी-अपनी रचनाओं से आपको आनंदित किया होगा और हमारे संकाय सदस्यों के लेख और अन्य रचनाओं के शैक्षिक और शिक्षा शास्त्रीय विचारों से अवगत हुए होंगे। हम सभी संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया था कि उनके मन-मस्तिष्क में जब अच्छे विचार आते हैं, चाहे वह विचार अपने अंदर के कवि मन का हो, लेखक मन का हो, शिक्षा जगत से जुड़ा हो या मस्तिष्क पटल पर किसी विषय-प्रकरण से जुड़ा चित्र उभरता हो, तो उसे अपनी लेखनी में समेटने और उकेरने का प्रयास करना चाहिए। इस बार के प्रस्तुत पत्रिका में प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं की सुन्दर-सुन्दर रचना प्रतिबिम्बित हुई है। हमारे संकाय-सदस्यों की रचनाएँ भी शामिल हैं।

पत्रिका के माध्यम से हम अपने विचारों को विभिन्न रचनात्मक आयामों में व्यक्त करते हैं। यह एक महत्वपूर्ण मंच है जहाँ हम अपने-अपने विचार और कौशलों का साझा करते हैं जिससे हम अपना ज्ञानवर्धन करते हैं तथा नये विचारों, ज्ञान और कौशलों से नवाचार करने का अवसर प्राप्त करते हैं।

मैं बार-बार कहूँगा कि सूचना और प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम अपने-अपने विचारों को पलक झपकते अपने-अपने संगी-साथी को भेजने में कामयाब होते हैं। इसलिए ई-किसलय प्रपत्रिका जो हमारे प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों के विचार कई प्रकार की रचनाओं यथा कहानी, कविता, लेख, चित्र इत्यादि के रूप में जो एक ही साथ आपके व्हाट्सप और ई-मेल तथा अन्य आई सी टी माध्यमों से आपको प्राप्त हो गया होगा। आप से अनुरोध है कि उनकी रचनाओं को भावपूर्ण ढंग से एकाग्रता के साथ अवलोकन करेंगे और पठन करेंगे तथा आपसे जुड़े प्रबुद्ध जनों और साथियों को व्हाट्सप और ई-मेल के माध्यम से भेजेंगे।

हम पुनः आशा करते हैं कि पत्रिका में वर्णित विचारों पर प्रतिक्रिया और सृजनात्मकता के प्रति आप अपने सुझाव एवं विचारों को साझा करेंगे ताकि अगले अंक को और बेहतर किया जा सके।

आपका

तेजनारायण प्रसाद

From The Vice Principal's Desk :

Dr. Shazia Fatma



Dear Readers,

Greetings to you all!

Reflecting on the month of April, there is a lot to cherish indeed. We headed towards the month with the internship practice of our trainees. Our students were off to the internship practice at their respective lab schools after being equipped with the proper tools of observation. Various activities conducted by our trainees in their respective lab schools have made us proud. It is so fulfilling to see them excel in their internship training. They have truly made their mark in this component of their training, which is commendable.

The last week of the month unfolded with the preparations of the two day seminar on “Educational Issues & their Implementation. Our hard-working trainees not only attended their internship practice at their respective lab schools but were very much with us as our extended support system after the school time. As we all have witnessed, this hard-work and dedication of our team finally bore fruit and our seminar was a grand success. To make the event gala and grand, our students showcased their talents by instilling the essence of the rich culture of Mithilanchal. And the best part of this saga was the fact that our chief guest was no other than the navigator of our flagship of knowledge himself. His presence not only delighted us but at the same time inspired us to strive hard and achieve more. We do hope that under his esteemed mentorship we would certainly be achieving soaring heights in the times to come.

Earth Day 2022:

- International Mother Earth Day is celebrated to shed light on the environmental issues which are surrounding our planet and take actions to save the environment.
- Every year, April 2022 is celebrated as International Mother Earth Day. The idea about the day is create awareness about the rampant increase in pollution which directly and indirectly are the reason behind the destruction of our planet.

“He that plants trees loves others besides himself.”

- Thomas Fuller



April

*World
Earth Month
2022*

*'Invest In our
planet'*



Contents

.Sl. NO.	content	Page no.
1	<u>Acknowledgement</u>	2
2.	<u>Editorial team</u>	3
3.	<u>प्राचार्य की कलम से</u>	4
4.	<u>From the Vice Principal's Desk</u>	5
5.	<u>April Special</u>	6
6.	<u>जिन्दा हूँ मैं</u>	डॉ अंजली 9
7.	<u>क्यों न देखे कहीं रुक कर</u>	कृतिका चौधरी 10
8.	<u>आज खुशी खामोश क्यों हैं</u>	Ankit Ranjan 11
9.	<u>उम्र हूँ ठहरती नहीं</u>	Arpita Kumari 12
10	<u>रामराज</u>	मनीषा कुमारी 13
11	<u>शिक्षा का अधिकार तुम्हारा</u>	सुरवीर कुमार 14-15
12	<u>मेरा बचपन लौटा दो</u>	सोनी कुमारी 16
13	<u>Soil</u>	Reetu kumari 17
14	<u>Tireless Soul</u>	Richa Roy 18
15	<u>दिल क्या करे</u>	उदय कुमार 19
16	<u>Her pink shoes</u>	Aashish Mishra 20
17	<u>Life</u>	Sakshi 21

Contents

. Sl. NO.स	content		Page no.
18.	Water and its importance	Ravi Kumar	22
19.	पापा की परी.	सोनी कुमारी	23-24
20.	मुस्कान	ज्योति कुमारी	25
21.	Internship Experience- 1	Tirhut Academy	26-27
22.	Internship Experience- 2	Girls High School, Kashipur	28-29
23.	Internship Experience- 3	Krishna High School, Jitwarpur	30-32
24.	Alumni Corner		33-34
25.	Overview of Seminar		35-39
26.	Internship Photos		40-42
27.	Art Section		43
28.	इंटर्नशिप अनुभव	गोल्फ फील्ड रेलवे उच्च माध्यमिक विद्यालय	44-45
29	Group Photos		46
30	Thanks Note		47

NOTE: Click a topic from the Index, to directly visit the specific page.

जिन्दा हूँ मैं

आज सुबह जब आंखे खुली, तो लगा जिन्दा हूँ मैं
धड़कनों की आवाज़ सुनी, तो लगा जिन्दा हूँ मैं
मन फिर वापस पीछे दौड़ा
यादों ने पहरों को तोड़ा
दिल ने आवाज लगाई, तो लगा जिन्दा हूँ मैं
फिर कही कोई ख्वाब जला
धुंए का गुबार उठा
आज फिर दिल बैठ गया
जैसे भीतर कुछ टूट गया
खुद ने खुद की जब याद दिलाई, तो लगा जिन्दा हूँ मैं।
लब पे आके कुछ बात थम गई
जाने क्यों आंखे नम हो गयी
कुछ ठहर गया जैसे अंदर
जब धड़कनों की रफ्तार बढ़ी, तो लगा जिन्दा हूँ!

डॉ. अंजली

व्याख्यता

क्यों ना देखें, कहीं रूक कर

सपनों के इस दौर में, आँखें बंद हैं सबकी,
जबकि जीत का हौसला लिए भाग रहे हैं फिर भी,
क्यों किए जा रहे हैं परिश्रम निरंतर,
भागम-भाग की जिंदगी में क्यों न देखें,
कहीं रूककर, समझकर।

क्या होता है हार-जीत और जीत-हार का अंतर
जब थक-सा जाता है, हौसला भी बारंबार हारकर
जब सींचा है, सब्र के जल से बल निरंतर,
तो क्यों ना देखें, कहीं रूककर समझकर।

होगी पूरी तमन्ना भी, जब लडेगे हार से जीत कर,
सोचेगा खौफ भी आया कहाँ-से जाबाज हारकर,
होगा अचूक वार जब, चूक से लडेगें हर बार तक,
तो क्यूँ ना देखें, कहीं रूककर समझकर।

कृतिका चौधरी
क्रमांक - 64

आज खुशी खामोश क्यों है

आज खुशी खामोश क्यों है,
गम क्यों जीत रहा है जंग,
गुम चेहरे से मुस्कान क्यों है,
क्यों छोड़ चुका है अपना संग,

जरूरी क्यों है बातों का कहना,
सुनना ही जरूरी क्यों है,
महसूस नहीं कर सकते अब तुम,
शब्दों का होना जरूरी क्यों है,

एक लम्हें में भी जीना सीखों,
पूरा जीवन जरूरी क्यों है,
गम की दुनिया के अंदर झांको,
खुशियां हर वक्त जरूरी क्यों हैं,

सीख लो अपनी नाकामीयों से,
जीतना हर वक्त जरूरी क्यों है,
उदास रहना भी तो है जीना,
हँसी हर वक्त जरूरी क्यों है,

नाम – अंकित रंजन

क्रमांक – 19

आज मुलाकात हुई, जाती हुई उम्र से.....

मैंने कहा जरा ठहरो तो,
वह हँसकर इठलाते हुए बोली.....
मैं उम्र हूँ ठहरती नहीं,
पाना चाहते हो मुझको
तो मेरे हर कदम के संग चलो.....
मैंने मुस्कराते हुए कहा.....
कैसे चलूँ मैं बनकर तेरा हरकदम,
संग तेरे चलने पर छोड़ना होगा,
मुझको मेरा बचपन....
मेरी नादानी, मेरा लड़कपन,
तू ही बता दे
कैसे समझदारी की दुनिया अपना लूँ.....
जहाँ है नफरतें, दूरियाँ,
शिकायतें और अकेलापन,
मैं तो दुनियाँ ऐ चमन में,
बस एक मुसाफिर हूँ.....
गुजरते वक्त के साथ, एक दिन
यूँ गुजर जाऊँगा करके कुछ आंखों को नम,
कुछ दिलों में यादें बन बस जाऊँगा.....

अर्पिता कुमारी

क्रमांक-72

रामराज

वाह भाई वाह
गरीबों की गरीबी
अमीरों की अमीरी
भूखों की भूखमरी
अनपढ़ों का अशिक्षित रहना
जालिमों का जुर्म
सितमगारों का सितम
बाहुबलियों की भौकाली
बेबसों की बेबसी
और तो और
पढ़ो लिखों का
निःशब्द रहना
यही है तुम्हारी असली रामराज की संकल्पना
सरकारें भलें हीं मुतमईन हों
आओ भाई मिलकर जोर लगाकर
कबीर, तुलसी, रैदास, गाँधी
सुभाष, वाजपेयी की रामराज
की संकल्पना को पुननिर्मित व पुनःस्थापित करें।

मनीषा कुमारी
क्रमांक – 50

शिक्षा का अधिकार तुम्हारा

शिक्षा का अभियान चलाओ,
गाँव-गाँव जनमान जगाओ।
शिक्षा का अधिकार तुम्हारा,
स्कूल में बच्चों ,नाम लिखाओ।

एक भी बच्चा छूट न पाए,
आँख का तारा पढ़ने जाए।
माता-पिता भी जरा ध्यान दें,
शिक्षक मन से खुब पढ़ाये।

फुटेगा उर ज्ञान का अंकुर,
नील गगन सा उसे उठाओ।
शिक्षा का अधिकार तुम्हारा,
स्कूल में बच्चों नाम लिखाओ।

बिना शिक्षा का जीवन ऐसा,
बिना पंख का पक्षी जैसा।
ज्ञान राशि हो ऐसा मोती,
जिसके आगे फीका पैसा।

पढ़ी-लिखी बस्ती में आओ,
लोकतंत्र मजबुत बनाओ।
शिक्षा का अधिकार तुम्हारा,
स्कूल में बच्चों का नाम लिखाओ।

“शासन सत्ता कपड़े बाँटे,
हर बालक तन अपना ढाकें।
दोपहर का भोजन और मिली किताबें,
कुल बने हर बाधा कांटे।

अरे दुलारों खूब पढ़ो तुम,
अच्छे दिन का दिया जलाओ।
शिक्षा का अधिकार तुम्हारा,
स्कूल में बच्चों नाम लिखाओ।

पढ़ा लिखा जब बचपन होगा,
ऊँचा मेरा तिरंगा होगा।
विश्व राष्ट्र सब तारे होंगे,
मेरा भारत चंदा होगा।

माटी की हर कंगन होंगे,
पढ़ी लिखी संतान बनाओ।
शिक्षा का अधिकार तुम्हारा,
स्कूल में बच्चों नाम लिखाओ।

सूरवीर कुमार पासवान
क्रमांक-03

मेरा बचपन लौटा दो

कहाँ खो गया है, बचपन मेरा
ए मेरी जिंदगी, जरा तू बता।

साथ में खेलते, साथ में बैठते
साथ में खाते, साथ में बांटते
लड़ते भी थे, झगड़ते भी थे

अगर हो जाये अनबन, अकड़ते भी थे
समय था बहुत, अब समय न रहा
समय दर समय, सब बदलते गये

वो बचपन भी कितना सुहाना था।
जिसका रोज एक नया फसाना था।

कभी पापा के कंधों का,
तो कभी माँ के आँचल का, सहारा था।
कहाँ खो गया है, बचपन मेरा।

नादानी हमारी, कहाँ खो गयी।
हम चकाचौंध की दौड़ में आ गये।

हम तो मस्त ही थे, अपनी मस्ती में ही
न जाने हम, कौन-सी बस्ती में आ गये।

तनाव के दौर में, मन की शांति लौटा दो
चंदा मामा की कहानी, फिर से सुना दो।
दादा-दादी के, एक बार दर्शन करा दो
हे भगवान, मुझे मेरा बचपन लौटा दो।

बालकिशोर कुमार
क्रमांक-81

Soil - Save it before it's too late

We have been using soil since time immemorial. We are so dependent on soil that we can't even imagine our life without it. Yet this resource formed over thousands of years is quickly being used up. Soil is formed from the rock that are decomposed slowly by the Sun, The Wind, the rain and animals and plants. In this way, 10 cm of fertile soil are created in 2000 long years. Soil that we deplete in only a few years are gone forever.

Forests and plants protect the soil but every year 13 million hectares of forests are cut down. Soil degradation reduces agricultural yields and threatens farmers' livelihoods. We are being increasingly detached from the land and the soil. Over half of the world's population now lives in the cities and by 2050 cities will house almost 70% of humans.

We live on credit and the expense of soils but they are not in exhaustible. It's like, we take out money from a bank account into which we never make any deposit. One day this account will be empty, our credits overdrawn & our soils will be gone.

Reetu Kumari

Roll no. - 15

“Tireless Soul”

My dear heart, don't cry
My lips are silent,
And my eyes can't shed tears
My dear heart, don't cry.

My heart, you are brave
Stand up and fight
again & again,
Colour the infinity and
Make my pain smile.

Richa Roy
Roll no—35

॥ दिल भी क्या करें ॥

भरोसा जब टूटता है तो,
दिल को चोट पहुंचती है।

दिल भी क्या करें!

उसे समझाना पड़ता है।

ना चाहते हुए भी उसे,
अंदर ही अंदर रोना पड़ता है।

दिल भी क्या करें,

उसे समझाना पड़ता है।

फिर एक बार संभल कर,

वो भरोसा करता है।

ना जाने वो क्यों हमेशा,

डरा-डरा सा रहता है।

ना टूट जाऊँ फिर से,

यही सोचता रहता है।

दिल भी क्या करें!

उसे समझाना पड़ता है।

~ उदय कुमार

क्रमांक - 38

HER PINK SHOES

*Personifies....
She is humble,
She is polite,
She is calm & quiet,
Throughout day & night.*

*Her voice is sweet,
Like a nightingale,
in the street.
She talks to anyone,
as if desserts after treat.*

*She is zealous
and enthusiastic.
At any moment
she is fantastic.*

*Her placidity is her pride.
Rarely, seen her
getting annoyed...
She is a lover, of serene,
cannot see, anyone in pain.*

*Pink laces in her shoe...
She treats equally,
whoever comes in queue.
Her affection for kids,
is equally true...*

*Her pink cheeks,
when she blushes,
while she speaks.*

*Her name...
A constellation fame.
Must say,
she is a beautiful dame.*

*Aashish Kumar Mishra
Roll no - १००*



LIFE

Sometimes I feel tired, so exhausted and down
Going through this, am I all alone??
For everyday, it's the same
I'm fed up of this game.

Sometimes I'm unhappy
Feeling so lonely,
Sometimes I'm so stressed
I even feel depressed.

Sometimes I look up the sky
Questioned him and asked why??
Of all people, why me?
My life is full of agony.

Sometimes I weep
I even cry to sleep,
But I have nothing to do
Just accept it to...

I need to be strong
Even I will sacrifice for long,
I need to carry on
Coz life must go on...

Name – Sakshi

Roll No. – 79

Water and its importance

Nature has created water, soil, and air. These three things are critical for human, animal, and plant life on our planet. Water is one of the three important things above.

Why is water important?

Like humans, animals and plants on our planet also need water for supporting their lives, such as drinking, watering crops and washing clothes and bodies, etc. Water is not only useful for humans and animals to drink or use, but it's also a shelter for a variety of aquatic life. It's also used for irrigation purposes, in industry, and as a source of nutrition for humanity. Water is also a natural source of creating hydrogen for humans, animals, and plants, and it also contributes to the reduction of heat on earth. When people make water dirty through the drain waste containing chemical toxins or the various waste disposal into the water, it affects our marine lives. We cannot use polluted water for drinking or cultivating our crops or for other essential purposes. People will lose their major source of nutrition. Finally, a lack of clean water affects their lives.

पापा की परी

पापा की परी.....

आज बीच बाजार में है लड़ी,
कभी अपनी सुरक्षा की गुहार लगाती,
कभी अपने अधिकारों के लिए लड़ती,
कभी लिंग भेद-भाव के कारण बिलखती,
मैं भी हूँ आज जिद पर अड़ी,
पापा की परी.....

आज बीच बाजार में है खड़ी।

कभी घूँघट की आड़ से,
कभी लोगों की मार से,
कभी ताने-बाने की बौछार से,
कभी दहेज की आर-पार से,
मैं भी हूँ अपने जिद पर अड़ी,
पापा की परी.....

आज बीच बाजार में है खड़ी।

नहीं कैद रहना मुझे,
समाज के रिवाज के बेड़ियों में,
उड़ना है मुझे खुले आसमान में,
सपनों का पंख लगाकर,
छूना है उस ऊँचे क्षितिज को।
मैं भी आज अपने जिद पर हूँ अड़ी.....

पापा की परी आज बीच बाजार में है खड़ी ।
तोड़ना है हर रिवाज के जंजीर को
जो लड़कियों के लिए,
बना पड़ी है फाँसी का फंदा,
न ऊँच-नीच की बात हो,
न दहेज की बरसात हो,
मैं भी आज जिद पर हूँ अड़ी,

पापा की परी.....
आज बीच बाजार में है खड़ी ।

सोनी कुमारी
क्रमांक-94

मुस्कान

जानें कौन-सा दर्द हो, इस मुस्कान में छुपाए,
बता दो कौन-सा डर है.....?

तुम्हें देखकर लगता है कि तुम से ज्यादा खुश नहीं कोई,
इस गलतफहमी को दूर तो करो.....?

कब तक इस दिखावे को अपनाए रहोगे,
क्या तुम्हारा मन नहीं होता, सच में जीने का.....?

इस जिंदगी को आईना, कब तक ना दिखाओगे,
किसके लिये है ये, खुद के लिये या अपनों के लिए.....?

शायद अब आदत हो गई है, तुम्हें ऐसे जीने की,
पर क्या अब भी बदलना नहीं तुम्हें.....?

अपनी मुस्कान में छिपाए इस दर्द से,
कब तक इस जमाने को ठगोगे.....?

हम तो अपने हैं,
अपनी सच्ची मुस्कान से रुबरु कब कराओगे.....?

ज्योति कुमारी
क्रमांक-31

INTERNSHIP EXPERIENCE

Tirhut Academy, Samastipur

We, being first year students of CTE Samastipur, were sent for a one month internship programme. The school allotted to us was Tirhut academy. It's a +2 high school situated at Kashipur, Samastipur. The school is one of the oldest institutions of Bihar, established in 1934.

When we entered the school for the first time on 1st April, we noticed the presence of students of class 10th only. Admission for class 9th was going to start from 4th April. Infrastructure of school is good. Campus has a beautiful garden whose maintenance is really appreciable. timing of school was 6:30 to 11:30 and it was very difficult for us to come to school on time especially for those who come by bus or train.

Students' attendance was very poor and was not even 10% of the total number of students enrolled. Only a few students show active participation in class. Most of the students show passiveness. Being students of a Hindi medium school, they don't know even the basics of English. So some of us faced some linguistic issues while teaching..

Along with observation we also took some classes.

Some of the teachers like Sumit sir, Satyendra sir, Anushilan sir were very hard working and supportive. We also interacted with trainees of two other B.Ed colleges (JP & St Paul). We had very friendly relationship with them especially with that of JP college. We also celebrated World earth day, Veer Kunwar Singh vijayotsav and farewell ceremony of second year trainees of JP college.

During this month, we learnt a lot about teaching and other activities at school. At the same time, through this internship we got a chance to observe the education system and condition of government schools so closely.

INTERNSHIP EXPERIENCE

Girls High School, Kashipur

Girls High school located in Kashipur, Samastipur is a vital place for imparting education to the girls, mainly those who need it mostly and cannot afford costly private schools.

Here, 9th, 10th, 11th and 12th classes are run.

It is situated at a walking distance of 15 minutes from Samastipur junction and can easily be reached.

It was established in 1953 and since then, this school has maintained a distinct place due regarding education for girls due to its consistency in giving better results in boards exams and other achievements.

1 principal, 18 teaching staffs and 4 non teaching staffs (1 librarian and 1 clerk) contribute in a very significant manner in maintaining quality of teaching and implementation of several schemes run by the Government for girls' education.

It has well maintained buildings which are upto 1st floor and there are adequate rooms having proper light, fan and ventilation arrangements.

Desks, benches and blackboards are in good condition and management takes regular stock to fulfill any requirement.

Classes are regular and take place on time. Teachers of various subjects like Mathematics, English, Science etc. are quite student friendly and try their best to make the concepts simpler and this was very clear during microteaching observation.

Active participation of students is there and teaching is interactive.

Right from the arrival and morning assembly to running classes, everything goes around properly.

Better sanitation facilities and availability of potable water are there.

SCHOOL INTERNSHIP EXPERIENCE

Krishna High School, Jitwarpur, Samastipur

Before doing B. Ed, I didn't even know what is an Internship? Because I never did any professional program before this. Being a science student I did many experiments in the laboratory, but not in the field. It was the first field and campus experience, which started from 1st April 2022 to 30th April 2022. For this responsibility, I have been selected as a group leader, which consists of eight members including me. They are Neha, Kritika, Supriya, Shiv, Ravi, Manish and Subhash. I believe in teamwork and I tried to make it successful here. I am sharing the experience of my peers. We all have been deputed at Krishna High School, Jitwarpur, Samastipur.



First of all, I would like to share my experience in this observational session. I learned , how to use different tools to make a topic or chapter more attractive and interesting which a child can acquire easily. I identified the slow learners and the fast learners. So that I can take care of everyone, not a particular group or segment. I learned how we make our learning uninterrupted with limited sources. I ferreted out in different classes like a yoga class, music class, Physics, History, Hindi, and smart class. I observed every minute thing and also took classes to improve myself. A music teacher Ratna Ma'am taught me the solfeggio of the song "Meri rafter pe Suraj ki Kiran Naz Kare". She was an expert in her subject.

She actually taught me how to deliver expressions in a musical form. Sunil sir, A teacher of social science, taught me to keep patience and to deal with a problematic situation. It was just an awesome experience for me.

Shiv Kumar, a very punctual trainee, gained experience in time management skills which means how to finish work on time. Ravi Kumar, a very sincere trainee, learned how to deliver one's thoughts practically, being a student of science. Neha, a very dedicated trainee, learned to manage the class with the help of different activities. She is an honest peer and trainee of our group.

Kritika, a very socialized trainee, learned how to convey our messages easily to our students. She also did a lot of activities to teach the children like Yoga class, Painting class etc.

Supriya, a laborious and versatile trainee of our group, experienced how to become a responsible teacher.

Manish Kumar, a broad thinking person, learned how to explore new things. We all trainees learned to become creative, and innovative in their areas. We learned different stages of teaching skills viz selecting the contents and organizing them, questioning skills, Presentation skills, Aid-using skills etc.

However, we faced some problems there like limited infrastructure, lack of dustbin, lack of duster, etc. We also confronted travelling problems, because of the long distance from our residents. But we all sorted out all the problems like we collectively purchased dusters and dustbins for school. Principal sir and all faculty members of the school were very supportive. We learned from them to become successful teachers. Their students were very curious to learn about each and every activity. They are strong, industrious and determined toward their goal. It was a wonderful experience for us and we will effectively implement our experiences in future. We would like to thank our college faculties and respected principal sir for such an astonishing internship.

MAUSAM KUMARI
ROLL No-63

Alumni corner.....

CTEians, who made us proud by qualifying CTET !



Sameer Kumar Jha



Kailash Sharma



Monika Kumari



Nidhi Kumari



Gaurav Kumar



Chandra Kumar Mandal



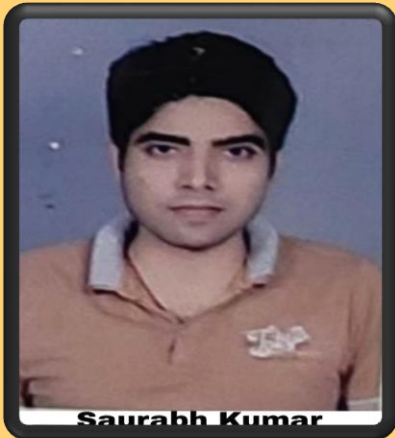
Binod Kumar



Vikram Kumar



Rohit Kumar Singh



Saurabh Kumar



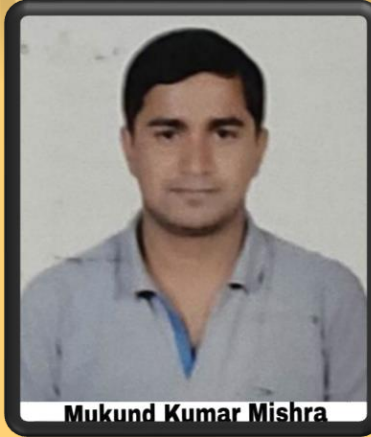
BRAJESH KUMAR
28-02-2019



Suiit kumar Sharma



Satvendra Prasad



Mukund Kumar Mishra



Upendra Paswan

We are very hopeful towards their upcoming endeavour and wishing them very best for everything ahead.

SEMINAR, 2022: EDUCATIONAL ISSUES AND ITS IMPLEMENTATION

Two days seminar on Educational Issues and its implementation was organised by Govt. College of Teacher Education, Samastipur. The main objective of this program was to raise the unseen issues persisting in our education system and dealing then with feasible way-out. The beauty of this seminar was its authenticity, As every minute details were based on proper research and with reasonable logic. It was scheduled on 28th and 29th of April. Presence of all the distinguished guests, lecturers from various training institute made it boom success and informative. As the seminar started at their scheduled time followed by lighting lamp and some cultural events by trainees . As the main host of the seminar , programme was smoothly conducted by the faculties of CTE. After a introductory session and a quick lunch break we finally reached the technical session. This session was basically devoted to all the scholars who came from various places for their paper presentation on different topic. This session was started with the presentation of Dr. Shazia Fatima ma'am whose topic was " School Complex : A shared neighbourhood goal ".After that it moved ahead with various presentation and continued till 2nd day of seminar. All the presentation was informative and ingrained our knowledge.it provided a multi dimensional approach to think about the current education system at state level as well as at National level. Finally it was binded by our distinguished guests remark and with a thanks note from our faculty member. So overall it was fun loving ,very interactive and informative seminar. We are very thankful for this act and hopeful to witness many such seminar in upcoming days.

Thank you

GLIMPSE OF SEMINAR -1st Day







Ending ceremony.....

2nd Day of Seminar -



1st year Internship, 2022

Beginning of new journey.....

Happy faces 😊





RAISED OUR THRESHOLD :

NOTABLE WORK DURING INTERNSHIP -



GALLERY SECTION.....



Aashish Mishra, Roll no-100

Sakshi Kumari, Roll no- 79



इंटर्नशिप अनुभव

गोल्फ फील्ड रेलवे उच्च माध्यमिक विद्यालय,

समस्तीपुर

इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान हम सभी प्रशिक्षु का अनुभव चुनौती पूर्ण रहा विवरण कुछ इस प्रकार से है प्रथम दिन, हम सभी प्रशिक्षु को प्रधानाचार्य द्वारा स्वागत किया गया और हम सभी प्रशिक्षु ने भी प्रधानाचार्य को धन्यवाद दिये दूसरे दिन, मैं बालकिशोर कुमार पढाना शुरू किया । यह मेरे लिए एक चुनौती भरा काम था इस दिन तो पढ़ते वक़्त बोलने लिखने में, मैं लड़खड़ा रहा था और मन में विचार चल रहा था की मेरे बारे में छात्राएं क्या सोचेंगी और किस प्रकार का प्रश्न पूछेंगे। अपने शब्दों की शुद्धता बनाए रखना मेरे सामने एक बड़ी चुनौती थी धीरे धीरे सब कुछ ठीक हो गया । मैं अकसर विज्ञान और हिंदी पढ़ता था। एक दिन शिक्षक की अनुपस्थिति के कारण, मुझे संस्कृत पढ़ाने के लिए दिया गया जो मेरे लिए कठिन था मैंने कोशिश करके पढ़ाया लेकिन मेरे लिए वह संतोष-जनक नहीं था ।दूसरे सप्ताह हम सभी प्रशिक्षु ने वर्ग का अवलोकन किया जिसके दौरान शिक्षक से बहुत कुछ सीखने को मिला जैसे की बच्चों को किस प्रकार से पढ़ाया जाता है और बच्चों से किस प्रकार प्रश्न पूछा जाता है अगर बच्चों पढ़ते-पढ़ते ऊब जाते तो कैसे खुश किया जाता है ये सारी बात हम सब प्रशिक्षु ने शिक्षक से सीखे ।

तीसरा सप्ताह हम सभी प्रशिक्षुओं को प्रधानाचार्य के द्वारा इंटर के स्कूटनी का कॉपी को किस तरह से व्यवस्थित करके रखा जाता है उनके बारे में हम सभी को बताया और हम सब काफी को व्यवस्थित करना सीखें. चौथ सप्ताह में हम सभी प्रशिक्षु को प्रधानाचार्य के द्वारा टी सी,एस एल सी, चरित्र प्रमाण पत्र एवं परीक्षा परिणाम पत्र बनाने के लिए बोले जो हम सबके लिए चुनौती पूर्ण लगा लेकिन हम सभी प्रशिक्षु धीरे-धीरे सीख लिए हम सभी प्रशिक्षु ने प्रार्थना एवं पी०टी० भी छात्रों को करवाया और उनसे भी कुछ सीखें और कुछ शिक्षक गन से भी कुछ कुछ सीखने को मिला सफाई अभियान के दौरान भी हम सभी प्रशिक्षु को बहुत कुछ सीखने के लिए मिला जैसे कि बच्चों को शिक्षक के द्वारा साफ सफाई में हाथ बढ़ने के लिए आगे कैसे किया जाता है और हम सभी प्रशिक्षु भी सफाई में सहयोग किए।



IT'S SNAP TIME.....



2022/4/28 17:22



We as member of "GROUP-' B' tried our best to provide our readers a new experience throughout their journey of crossing this magazine. As a willing group, we always love to accept things. Therefore, your feedback is valuable to us.

THANK YOU!

